



समजा-श्रीमान राजस्व मंडल ग्वालियर, जबलपुर केम्प

रिवीजन क्र०

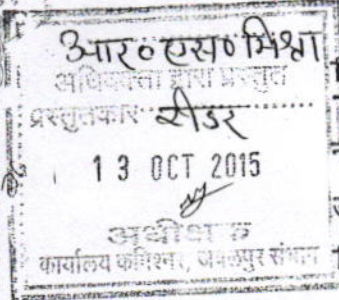
सन्

क्रिग/3686-I-15

553

कृष्णादत्त तिवारीपिता सूरज प्रसाद तिवारी
उम्र ६३ वर्ष, साकिन निवासी- पुलिस थाना के
पीछे सिहौरा, तह०सिहौरा, जिला जबलपुर

---- रिवीजनकर्ता



विरुद्ध

नरेश प्रसाद तिवारी पिता सरजू प्रसाद तिवारी
उम्र ६६ वर्ष साकिन मफगवां (पाली) तह० मफौली
जिला जबलपुर (म०प्र०)

----प्रत्याधी

रिवीजन अन्तर्गत धारा ५० म०प्र०भू०रा०अ०अ०

रिवीजनकर्ता की ओर से निम्नानुसार विनय पेश है :-

विवादित प्रकरण श्रीमान तहसीलदार मफौली तह० मफौली, जिला
जबलपुर के आदेश दिनांक १६-८-२०१५ से व्यथित होकर यह रिवीजन प्रस्तुत
किया जा रहा है। उपरोक्त रिवीजन समयावधि के अंतर्गत है। 63A/६ 27
13-14 प्रक० है।
संदिग्ध तथ्य

प्रत्याधी ने इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि यशोदाबाई
मां थी, यशोदाबाई ग्राम मफगवां के ख०न० १५४ ख०बा ०-२३० ख०न० १५५
ख०बा ०-५१० है० पर उसका नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। यशोदाबाई ने
अपने जीवनकाल में एक व्यवस्था पत्र २०-६-६५ को कर दिया था। और एक
सैत अपनी परवरिश के लिये बचा लिया था। उस व्यवस्था पत्र के आधार पर
प्रत्याधी अपना नाम दर्ज कराना चाहता है। उसने अंतिम संस्कार यशोदा बाई
का किया। यशोदाबाई की मृत्यु ६-७ साल पहले ही गयी है। यशोदाबाई
के स्थान पर आवेदक अपना नाम दर्ज कराना चाहता है। इस आशय का आवेदन
पत्र तहसील मफौली के समजा दिया।

रिवीजनकर्ता राजस्व न्यायालय में स्वतः उपस्थित होता था। रिवीजन-
कर्ता से कहा गया कि वह प्रतिपरीक्षण करें रिवीजनकर्ता प्रतिपरीक्षण करना
नहीं जानता और वह सुन्दरलाल मिश्रा से नंदकिशोर से और नरेश प्रसाद से

न्यायालय राजस्व मण्डल, म0 प्र0, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

निगरानी 3686-एक/2015 जिला-जबलपुर

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं
अभिमाकों
आदि के
हस्ताक्षर

१५.2.19

आवेदक के अधिवक्ता श्री आर0 एस0 मिश्रा उपस्थित। आवेदक के अधिवक्ता के तर्क सुने तथा प्रकरण में संलग्न दस्तावेजों का अध्ययन किया। अध्ययन से प्रतीत होता है कि इस न्यायालय में आवेदक अधिवक्ता द्वारा तहसीलदार मझोली जिला जबलपुर में पारित आदेश दिनांक 19.08.15 के विरुद्ध म0 प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा-50 के अन्तर्गत प्रस्तुत की गई है।

2- म0 प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 में वर्ष 2018 में किये गये संशोधन प्रभावी दिनांक 25.9.18 के अनुसार संहिता की धारा 50 (2) इस प्रकार है:-

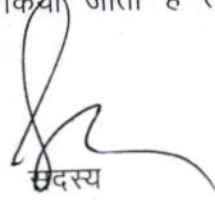
धारा-50 (2) पुनरीक्षण के लिये कोई आवेदन-

(ख) इस संहिता के अधीन निगरानी में पारित किसी अंतरिम आदेश के विरुद्ध ग्रहण नहीं किया जावेगा।

3-परिणामस्वरूप इस न्यायालय में संचालित नही होने के कारण प्रकरण कलेक्टर जिला जबलपुर के न्यायालय में स्थानांतरण किया जाता है तथा पक्षकार दिनांक 29/04/19 को उपस्थित हों।

पेशी दिनांक 29/4/19

कलेक्टर जिला जबलपुर


उदस्य

